

ISSN 2395-4280

TRIPATHAGĀ

An International refereed research Journal

Vol. III

No. I

January-June 2016

Editor in Chief

Dr. Ranjan Kumar Tripathi

Associate Editor

Sudhanshu Chaubey

अनुक्रमणिका

■	वैदिक काल में धर्म का स्वरूप मिताली	1-10
■	पं. शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदी जी का आधुनिक संस्कृत साहित्य में योगदान प्रदीप कुमार शुक्ल	11-16
■	स्त्री अस्मिता के आलोक में मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का अध्ययन रीना कसाना	17-21
■	आशुकवि डॉ० राजेन्द्रप्रसाद भट्ट का व्यक्तित्व एवं कृतित्व डॉ० गटुलाल पाटीदार	22-29
■	अथर्ववेद में शिक्षा पद्धति के सूत्र पारंगत खलखो	30-33
■	मुहूर्तशास्त्र में भद्रा-विचार डॉ० राजीव रंजन	34-38
■	भारतीय संस्कृति को अभिनवगुप्त की देन संदीप कुमार सिंह	39-44
■	नाटक में पात्रों का चरित्र-चित्रण रवि प्रकाश चौधरी	45-52
■	निगमागमिक आलोक में अभिनव गुप्त की हृदय मीमांसा आचार्य भक्तिपुत्र रोहतम	53-61
■	वृहत्त्रयी में सांख्य दर्शन अशोक कुमार पटेल	62-67
■	श्रव्यकाव्य की राधा का वैशिष्ट्य डॉ. नौनिहाल गौतम	68-73
■	महाकवि कालिदास की सौन्दर्य अवधारणा डॉ० माया मिश्रा	74-75
■	कौटिल्य अर्थशास्त्र में निहित दूत-व्यवस्था लवकुश कुमार	76-78
■	संस्कृत साहित्य में राष्ट्रियता की भावना प्रभात कुमार	79-82
■	'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में प्रदत्त महर्षि कण्व की शिक्षा धीरज कुमार मिश्र	83-86
■	भारतीय संस्कृति में परम्परा आधुनिकता और विविधता देवेन्द्र प्रताप यादव	87-89
■	निगमागमस्वरूपविमर्शः आशीष कुमार तिवारी	90-91
■	वक्रगतिविमर्शः नित्यानन्दओझा	92-94